

“देखो, ये धरती, हम सब की माता है

सोचो, आपस में, क्या अपना नाता है

हम आपस में लड़ बैठे,

हम आपस में लड़ बैठे तो देश को कौन सम्भालेगा
कोई बाहर वाला अपने ही घर से हमें नकालेगा

दीवानों होश करो, मेरे देश प्रेमियों
आपस में प्रेम करो देश प्रेमियों...”

इस तरह से गीतकार अपनी गीतों को लयबद्ध और मधुर तर्कों से साबति करता है। उसकी लयबद्धता, मधुरता और तर्क बीच में टूटते नहीं हैं। वह सुनने वालों को न सिर्फ एक सुखद अनुभूति कराता है बल्कि एक ऊँचा और उपयोगी संदेश भी देता है। अगर हम गौर करें तो पाएंगे कि गणति भी तो ऐसे ही करता है। गणति भी किसी प्रमेय को सिद्ध करने के लिए शुरुआत में ही कोई एक संकल्पना करता है और तर्कों व अन्य प्रमेयों की सिद्धियों पर चढ़ते हुए लयबद्ध तरीके से उसे साबति करता है। इसलिए गणति सिर्फ ज्ञान ही नहीं है। यह एक संगीत भी है। इसलिए यह कथन बिल्कुल सत्य है कि गणति ज्ञान का संगीत है।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/mathematics-is-the-music-of-knowledge>

